JOKTA Academy

SCO-78-79, 2ND FLOOR | 0172-4044475, 9779464475 IAS/HAS

HAS MEGA MAINS TEST

Hindi (Compulsory)

Name नेहा नेगी Roll No.

Test हिन्दी Date 3/Dec/2023

Time Allowed : 3 Hours
निर्धारित समय : 3 घंटे

Maximum Marks : 100
अधिकतम अंक : 100

INSTRUCTIONS
अनुदेश

Please read each of the following instructions carefully before attempting questions.
कृपया प्रश्नों के उत्तर देने से पूर्व निम्नलिखित प्रत्येक अनुदेश को ध्यानपूर्वक पढ़ें

1. There are **FIVE** questions and all questions are to be attempted.
इसमें **पाँच** प्रश्न हैं और सभी प्रश्नों के उत्तर अनिवार्य है।

2. The number of marks carried by a question/part is indicated against it.
प्रत्येक प्रश्न/भाग के नियत अंक उसके सामने अंकित है।

3. Write answers in legible handwriting.
सुपाठय लिखावट में उतर लिखें।

4. Answer must be written in HINDI unless otherwise directed in the question.
उतर अंग्रेजी या हिंदी में ही लिखे जाने चाहिये।

5. Keep the word limit indicated in the questions in mind.
प्रश्नों में इंगित शब्द सीमा को ध्यान में रखिये।

6. Any page or portion of the page left blank in the Question-cum-answer booklet must be clearly struck off
प्रश्न-सह-उतर पुस्तिका का कोई भी पृष्ठ अथवा पृष्ठ का भाग, जो खाली छोड़ा गया हो, उसे स्पष्ट रूप से काट दीजिये।

7. Re-evaluation/Re-checking of Question-cum-answer booklet of the candidate is not allowed.
अभ्यर्थी की प्रश्न-सह-उतर पुस्तिका के पुनर्मूल्यांकन/पुनः जाँच की अनुमति नहीं है।

1. निम्नलिखित में से किसी एक विषय पर लगभग तीन सौ पचास शब्दों में सारगर्भित निबंध लिखिए : (30)

क. भारत में चुनाव और प्रजातंत्र का भविष्य

ख. संसद में तैंतीस प्रतिशत महिला आरक्षण विधेयक

ग. हिमाचल में सांस्कृतिक पर्यटन के विकास की संभावना

संसद मे तैंतीस प्रतिशत महिला आरक्षण

"जहाँ नारी की पुजा की जाती है, वहाँ भगवान बसते है।"

किसी ने सही कहाँ है नारी का सम्मान जहाँ होता है, वहाँ हमेशा खुशहाली और आंनद रहता है। भारत मे नारी को बहुत ऊँचा दर्जा दिया गया है। हम देवियों को पुजा करते है। नारी के ~~महत्व~~ इसी महत्व को समझते हुए, भारत सरकार ने "नारी वंदन विधेयक", लोक सभा के प्रस्तुत किया है। जिसमे संसद और विधान सभा मे नारी को 33% आरक्षण देने की बात कही गई है।

भारत मे नारी का दर्जा सदा सबसे ऊपर रखा गया है। वैदिक काल मे नारी को अर्धांगनी बुलाया जाता था। महान नारिया जैसे उपाला, लोपामुद्रा इत्यादि हमे प्रेरित करती है। परन्तु वक्त के साथ साथ, हमारे समाज मे महिलाओं का स्थान गिरता गया। उन्हे भोज समझा जाने लगा, बेटी का पैदा होना अशुभ माना जाने लगा और हालात इतने खरा

हो गए कि भारत का लिंग अनुपात 952/1000 हो गया। महिलाओ को अनेक कष्टो और बाधाओ का सामना करना पड़ता है जैसे सामाजिक प्रतिबंध, शिक्षा, घरेलु हिंसा इत्यादि.

इन सभी कारणो के वजह से महिलाए उभर के नही आ पाई। हम देखते है कि महिलाए ज्यादातर घर सम्भालती है, बच्चो का पालन करती है। उनका देश की अर्थव्यवस्था के बहुत कम भागीदारी है।

सरकार ने महिलाओ को बढ़ावा देने के लिए, यह अधिकरण लाया है ताकि जो संख्या अभी सिर्फ 10% है उसको 33% तक किया जाए। इस से ज्यादा महिलाए निर्णय और कानून बनाने की प्रक्रिया मे हिस्सा लेगी। महिलाओ से जुड़े विषय आगे आएगे और दूसरी महिलाओ को प्रोत्साहन मिलेगा कि वह भी खुलकर आगे बढ़े। महिला सशक्तिकरण से बच्चो का भी सशक्तिकरण होगा क्योकि मां ही बच्चो की पहली गुरु होती है। यह अधिकरण महिलाओ के लिए एक अमृत जैसा साबित होगा। इससे देश की महिलाओ का राजनीतिक सशक्तिकरण तो होगा ही, साथ मे यह रूढ़ीवादी सोच खतम करने मे

कारगार साबित होगा। वैसे तो इस अधिकरण के कई लाभ है परन्तु इसे लागू करने मे और इसकी पूर्ण लाभ के लिए हमे कई रूकावटो का सामना करना पड़ेगा।

भारत मे पहले ही 73rd और 74th अधिनियम के तहत, महिलाओ को 33%. आरक्षण पंचायत और मुयनसीपालटी मे दिया गया है। परन्तु वहाँ हम देखते है कि "पंचपति प्रथा" चल रही है। महिला की जगह उसका पति काम करता है। आज भी जब टिकट देने की बारी आती है तो राजनितिक पार्टियाँ, पुरुषो को अधिक महत्त्व देती है। महिलाओ का राजनिति मे भाग बहुत कम है। राजनिति के साथ कई, असमाजिक चीजे जुड़ी है जैसे मर्डर, चोरी - चकारी जिस कारण महिलायें राजनिति से दूर रहती है।

केवल 33%. आरक्षण देना, महिला को सशक्त नही बना सकता। हमे बहुत मेहनत करनी पड़ेगी ताकि महिलायें बढ़ - चढ़कर राजनिति मे भाग ले। सबसे पहले हमे समाज की सोच को बदलना पड़ेगा, रूढीवादी सोच को छोड़कर हमे आधुनिक सोच की तरफ जाना पड़ेगा। महिलाओ को अच्छी शिक्षा, खाना, समान मौके देने पड़ेगे ताकि महिलाए अपने

हुनर को पहचान सके। राजनीतिक सशक्तिकरण तभी सफल होगी जब समाजिक बल महिलाओ को मिलेगा।

एक पुरुष प्रधान देश मे जहाँ राजनीति पुरुषो का खेल माना जाता है; सरकार का 33% आरक्षण एक सूरज की तरह चमकता उम्मीद है। यदि हमें इसे सफल बनाना है तो मिलकर काम करना पड़ेगा। हम रवांडा के प्रेरणा ले सकते हैं जहाँ महिलाए 60% संसद का हिस्सा बनाती है।

अम्बेडकर जी ने सही कहा "मैं एक समाज की उन्नति वहाँ रहने वाली महिलाओं की उन्नति से देखता हूँ।"

यह विधेयक सरकार द्वारा एक कदम है कि महिला आगे आ सके और समाज को भी कोशिश करनी चाहिए कि यह विधेयक एक सफल विधेयक हो। महिलाओं को समाजिक प्रतिबंधो से मुक्ति और राजनितिक ~~[illegible]~~ समूहों को लिंग भेदभाव से ताकि महिलाए एक सजग और खुशहाल जीवन व्यतीत कर सके।

2(क) निम्नलिखित अंग्रेज़ी गद्यांश का हिंदी में अनुवाद कीजिए -- (10)

India is a country of villages. Most of the people of India live in village. while thinking about the condition of the village, our gaze automatically goes towards the darkness of ignorance spread in the village. Even today people in the villages are illiterate and have to depend on the post man to get letter written or read. Without promoting literacy, solutions to village problems can not be found. Most the people in the village depend on agriculture, and agriculture depend on rainfall because proper means of irrigation are still not available. In some parts of country, farmers have adopted modern methods of agriculture, but most of the farmers still do farming with old methods. To bring green revolution, it is necessary that our farmers learn to use good seeds, chemical fertilizers and improved seeds. Our need for food grains is increasing and cultivable land is decreasing. Nature has distributed its wealth freely in the villages. Clean air and pure food are easily available in villages. Due to ignorance and illiteracy, cleanliness is not taken care of in villages, as a result of which innumerable people die from diseases.

भारत गाँवो का देश है। अधिकतर जनसंख्या गाँव मे बसती है, परन्तु गाँव की तरफ देखते ही हमे अँधकार दिखता है। आज भी गाँव मे अनपढ़ता है और पत्रों के लिए डाकिये पैर आश्रित है। शिक्षा के बिना, गाँव की समस्याओं का निवारण नहीं हो सकता। कृषि के ऊपर ही गाँव निर्भर करता है और कृषि वर्षा के ऊपर निर्भर है क्योंकि अभी तक गाँव मे आधुनिक सिंचाई उपलब्ध नहीं है। हरित क्रांति लाने के लिए, यह जरूरी है कि किसानो को उत्तम बीज, रसायनिक खाद्य की जानकारी हो। हमारी खाद्य वस्तुओं की जरूरते बढ़ रही है और उपजाऊ जमीन घट रही है। प्रकृति ने अपना धन सबको मुफ्त मे दिया है। साफ हवा, शुद्ध खाना आसानी से गाँव मे मिल जाता है। परन्तु हमारी अनपढ़ता और के कारण, गाँव मे साफ-सफाई नहीं रखी जा रही जिसके कारण असंख्य लोगों की मृत्यु बीमारी से हो र

(ख) निम्नलिखित हिंदी गद्यांश का अंग्रेज़ी में अनुवाद कीजिए --- (10)

स्वावलंबन मानव का जन्म सिद्ध अधिकार है। कभी मनुष्य जीवित रहने के लिए प्रकृति पर निर्भर था, परंतु धीरे – धीरे उसने प्रकृति पर विजय पा ली और अपनी आजीविका के लिए प्रकृति पर निर्भर रहना छोड़ दिया। मानव का यह स्वावलंबन उस सृष्टि का स्वामी बनाने में सहायक हुआ है। यह विवशता का परिणाम नहीं होता। जिस व्यक्ति को अपना काम स्वयं करने की आदत हो जाती है वह उस काम को करने में आनंदित होता है। किसी भी काम को अपनी कोशिश से करने में सफलता प्राप्त करना एक सुखद अनुभव होता है। सफलता मनुष्य को शक्ति प्रदान करती है और असफलता गहन अनुभव। अपनी असफलता से शिक्षा लेकर स्वावलंबी अपने जीवन के लिए नए रास्ते की खोज करता है। स्वावलंबन ही मनुष्य को यथार्थवादी बनाता है। पृथ्वी पर पाँव रख कर आकाश के तारों को गिनने का प्रयास स्वावलंबी ही करता है।

Self reliance is human being's birthright. Once humans were dependent on nature for their survival but slowly they have conquered nature & left their dependence on nature for survival. Human's self reliance has helped him to become master of this world. This is not the result of helplessness. The one who does one's work ~~self~~ by self enjoys the work. Achieving success through one's own try & work is a totally different experience. Success gives human power & defeat teaches deep experience. Lessons from defeat in combination with self-reliance opens up new doors in life. Self-reliance makes human being practical. A self-reliant man can only dream of ~~touching~~ counting stars while keeping his feet on ground.

3(क) निम्नलिखित गद्यांश की व्याख्या कीजिए --- (10)

मैं नहीं जानता इस संन्यासी ने कभी सोचा था या नहीं कि उनकी मृत्यु पर कोई रोएगा, लेकिन उस क्षण रोने वालों की कमी नहीं थी। नम आँखों को गिनना स्याही फैलाना है। इस तरह हमारे बीच से वह चला गया जो हम में से सबसे अधिक छायादार फल – फूल, गंध से भरा और सबसे अलग, सबका होकर, सबसे ऊँचाई पर, मानवीय करुणा की दिव्य चमक में लहलाता खड़ा था। जिसकी स्मृति हम सबके मन में जो उनके निकट थे, किसी यज्ञ की पवित्र आग की आँच की तरह आजीवन बनी रहेगी। मैं उस पवित्र ज्योति की याद में श्रद्धानत हूँ।

इस गद्यांश मे लेखक शोक रस प्रकट कर रहे हैं। वह एक संन्यासी को याद कर रहे है जो सबसे भिन्न होकर भी सबके थे। वह मानवीय करूणा के जिता जागता नमूना थे। उनको याद करते हुए लेखक सोच रहे हैं कि क्या कभी उस संन्यासी ने यह कल्पना भी की होगी कि उनकी मृत्यु के उपरांत कोई रोएगा। अगर रोने वालों की संख्या करे तो गिनती कम हो जाएगी। उस संन्यासी की स्मृति उनके चाहने वाले लोगों के मन मे एक पवित्र आग की आँच की तरह आजीवन बनी रहेगी। उन्हें याद करते हुए लेखक कहते है कि वह उनकी याद मे सदा श्रद्धा पूर्व भाव से डूबे हुए हैं।

भाव → शोक.

(ख) **निम्नलिखित पद्यांश की व्याख्या कीजिए ---** (10)

स्नेह निर्झर बह गया है।
रेत ज्यों तन रह गया है।।
आम की यह डाल जो सूखी दिखी,
कह रही है, अब यहाँ पिक या शिखी
नहीं आते पंक्ति में वह हूँ लिखी
नहीं जिसका अर्थ, जीवन रह गया है।
दिए हैं मैंने जगत को फूल – फल
किया है अपनी प्रतिभा से चकित – चल
पर अनश्वर था सकल पल्लवित पल
ठाठ जीवन का वही जो ढह गया है।

इस पंद्यांश मे कवि कहना चाह रहा है कि जो प्रेम था वह उसने लुटा दिया है। कवि मानवीकरण करते हुए कहता है कि आम की सूखी डाली ट्रा कह रही है कि, अब यहां कुछ नहीं रहा और जीवन निर्अर्थ बन गया है। कवि कहता है कि जीवन भर जगत मे प्यार बांटा और अपनी प्रतिभा से सबको आश्चर्य चकित किया तब जाके उसे यह अहसास हुआ कि जो पल वह महसूस कर रहा है वो पलभर का है। और और फिर से जीवन वहीं हो जायगा और सब ढेर हो जायगे और मिट्टी मे मिल जायगें। कवि का अभिप्राय यह है कि मनुष्य जीवन भर चीजो मे उलझा रहता है जबकि अंत मे सबने मिट्टी मे मिल जाना है।

अंलकार – अनुप्रास, मानवीकरण

भाव – दुख,

4.(क) निम्नलिखित मुहावरों और लोकोक्तियों के अर्थ लिख कर उनका वाक्य में प्रयोग कीजिए --- (4)

(1) कीचड़ उछालना – बदनाम करना

राम ने कक्षा मे चोरी करके अपने माता पिता के नाम पर कीचड़ उछाल दिया।

(2) थाली का बैंगन होना – दल बदलना

सीता पर विश्वास मत करो, वो थाली का बैंगन है।

(3) होनहार बिरवान के होत चिकने पात –

(4) चुटकी भर चंदन भला गाड़ी भरा ना काठ –

मैंने राम से कहा कि उसे और पढ़ना चाहिए क्योंकि इतनी पढ़ाई काफी नही है यह तो वही बात हो गई चुटकी भर चंदन भला गाड़ी भरा ना काठ

(ख) नीचे दिए गए शब्दों का संधि विच्छेद कीजिए --- (4)

(1) पावक

पौ + अक

(2) सदाचार

सत + आचार

(3) उच्चारण

~~उच्च + आरक्षण उच्चारण + अरण~~

उच्च + अरण

(4) निष्कर्म

नि: + कर्म

(5) रमेश

~~राम + ईश~~ राम + ईश

(6) गणेश

~~गण + ईश~~ गण + ईश

(7) वेदोक्त

वेद + ओक्त

(8) षड्दर्शन

षड् + दर्शन

(ग) दिए गए शब्दों का शुद्ध रूप लिखिए --- (4)

(1) बचन

वचन

(2) छाव

छाव:

(3) उज्जवल

उज्ज्वल

(4) प्ररिक्षा

परीक्षा

(5) आंधी

आँधी

(6) चरीर्ताथ

चरितार्थ

(7) बंगला

बँगला

(8) कुमुदनि कुमुदिनी

(घ) वाक्यांश के लिए एक शब्द लिखिए -- (4)

(1) जन्म से सौ वर्षों तक का समय

शतक

(2) रात और शाम के बीच का समय

भोर

(3) शिव की उपासना करने वाला

शिवभक्त | शिवउपासक

(4) रंगमंच के पीछे का स्थान

(ङ) समान दिखने वाले निम्नलिखित शब्दों के अर्थ लिखिए -- (4)

(1) परुष , पुरुष

परुष →

पुरुष → लड़का

(2) अंस , अंश

अंस –

अंश – हिस्सा

(3) इत्र , इतर

इत्र –

इतर – खुशबु

(4) कांता , कांतर

कांता –

कांतर –

(च) वाक्य को शुद्ध करके पुनः लिखिए ---- (4)

(1) वह समस्त प्राणीमात्र का हितैषी है।

वह समस्त प्राणी का हितैषी है।

(2) यह हमारा वाला घर है।

यह हमारा घर है।

(3) आपने यह कार्य अभी करना है।

आपको यह कार्य अभी करना है।

(4) बाहर बारिस हो रहा है।

बाहर बारिश हो रही है।

5. यथानिर्देश उत्तर दीजिए ----- (6)

क. आत्मविश्वास और मुरलीधर में कौन सा समास है।

आत्मविश्वास — तत्पुरुष
मुरलीधर - बहुव्रीहि समास

ख. सांकल और नखत शब्दों के तत्सम शब्द लिखिए।

ग. संपन्न और ओजस्वी के विलोम शब्द लिखिए।

ओजस्वी - तेजस्वी
संपन्न - असंपन्न

घ. श्रृंगार और वीर रस के स्थायी भाव लिखिए।

श्रृंगार - रति भाव
वीर - वीर भाव

ङ. पेड़ और नरेश के पर्यायवाची शब्द लिखिए। (कम से कम तीन)

पेड → तरून, वृक्ष,
नरेश → राजा, ईश्वर

च. उत्पात और संचय शब्दों के उपसर्ग लिखिए।

उत्पात - उत् + पात
संचय - सम् + चय